B. A. (Part - III)

Paper - VI

Ship Building Industry in Japan :

मैजी शासन काल में इन्जीनियरिंग उद्योग कोई सम्मान जनक स्थिति प्राप्त करने में सफल नहीं रही। मैजी शासन काल के अन्त तक जापान ने अपने व्यापारिक जहाजों में से अधिकांश विदेशी पोत निर्माण स्थलों से प्राप्त किए थे। वैसे जापान में जहाज निर्माण का कार्य बहुत पूर्व समय से होता आ रहा है। किन्तु आधुनिक समय के सर्वप्रथम इस्पात का जहाज 1890 ई० तथा लोहे का जहाज 1895 ई० में बनाया गया। जापान में सर्वप्रथम 1,000 टन का जहाज 1895 ई० में बनाया गया। जापान में 1896 में एक एक्ट पारित किया गया। इस एक्ट के अनुसार कुल 1000 टन भार से अधिक के लिए 20 येन प्रति टन की दर से तथा 1000 टन भार से कम के लिए 2 येन प्रति टन की दर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। इससे विभिन्न जहाज निर्माण केन्द्र की स्थापना की गयी। 1913 ई० तक जापान में 1000 टन भार से अधिक वजन की 6 जहाज कम्पनियाँ खुल गयी थी।

इन्जीनियरिंग की एक प्रमुख शाखा जहाज निर्माण उद्योग प्रथम विश्व युद्ध के बाद एक प्रमुख उद्योग बन गया। प्रथम विश्वयुद्ध के ~~बाद~~ समय जहाज उद्योग को तीव्र प्रगति का मौका मिला।

Scanned with CamScanner

द्वितीय विश्व युद्ध के समय जहाज उद्योग को तीव्र प्रगति का मौका मिला इस उद्योग को कुछ समय तक काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि विदेशी बाजार समाप्त हो गये थे तथा विदेशी विनिमय का अभाव हो गया था। लेकिन धीरे-धीरे विकास का कार्य चलता रहा तथा 1956 ई० के उपरान्त जापान विश्व में प्रमुख देश जहाजों निर्माण उद्योग के क्षेत्र में हो गया। जापान 1967 ई० में 17,32000 टन भार के सामुद्रिक जहाजों का निर्माण किया करता था। धीरे-धीरे जहाज निर्माण के टन भार में तेजी आयी। 1959 ई० में और भी ज्यादा तैयार होने लगा। वर्तमान समय में जापान कुल उत्पादन का प्रायः आधे से अधिक भाग सामुद्रिक जहाज का निर्माण करता है। अर्थात जापान विश्व में कुल बनने वाले सामुद्रिक जहाजों का स्वयं तैयारी करता है।

The End

Thank You